Title: Need to address the problems being faced by the dairy industries in the country.

श्री ्शैलेन्द्र कुमार (चा्यल) : अध्यक्ष महोद्य, ्वैट के कारण ड्ेयरी उद्योग त्बाह के कगार पर है। ड्ेयरी उद्योग को ्वैट के दा्यरे में लाने का मामला ्बहुत ही गं्भीर है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Shailendra Kumar, this is your second matter this week.

श्री ्शैलेन्द्र कुमार : ्यह ्बहुत महत्वपूर्ण मामला है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : ्यहां जो मामले उठाए जाते हैं, ्वे ्सभी महत्वपूर्ण होते हैं। कानून ्भी महत्वपूर्ण है।

श्री ्शैलेन्द्र कुमार : देश के 70 प्रति्शत लोगों की आ्य का ्स्रोत कृ्षि है और ्सभी कि्सान परोक्ष और अपरोक्ष ्रूप ्से दूध का व्य्वसा्य करते हैं, दूध के व्य्वसा्य ्से जुड़े हुए हैं। लेकिन 31 मार्च, 2005 ्से ्वैट लागू होने ्से दूध का व्य्वसा्य 90 प्रति्शत घट ग्या है। ड्राई फ्रूट, मिठाई, डालडा घी, रिफाइन्ड ऑ्यल एवं ऐडी्बल ऑ्यल पर 4 प्रति्शत ्वैट कर लगाकर कर के दा्यरे में छूट दी गई है। दूध उत्पादन इस देश के कि्सानों के ्साथ ्सीधा जुड़ा हुआ है जि्सका उप्भोग आम आदमी करते हैं। उ्से 12.5 प्रति्शत कर श्रेणी में रखने का कोई औचित्य नहीं है।

मैं आपके माध्यम ्से ्सरकार ्से मांग करता हूं और क्भी-क्भी हम ई्श्वर ्से ्भी प्रार्थना करते हैं -

दूध-पूत धन-धान्य ्से ्वंचित रहे न कोए।

्यह अ्भिलाा हम ्सबकी ्भग्वन पूरी होए।।

जि्स घर में दूध और पूत न हो, ्वह परि्वार ्बेकार होता है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि ्वैट टैक्स कर प्रणाली में जो 12.5 प्रति्शत कर रखा ग्या है, उ्समें छूट दी जाए। ्यह ्स्वाल कि्सानों ्से ्सीधा जुड़ा हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: This part should be shown to me.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोद्य : ्यह ्सही ्बात नहीं है। ्सं्सद में ऐ्से ्बोलना ठीक नहीं है। जि्स घर में ल्ड़का नहीं है, क्या उ्स घर में ्शान्ति नहीं है? ्यह क्या ्बात हुई। ल्ड़की ्भी हो ्सकती है।

...(व्यवधान)

श्री ्शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोद्य, ्यह हमारी ्भा्वना थी।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : ल्ड़की ्भी अच्छी होती है। पूत और कन्या हो, त्ब ठीक होगा।

श्री ्शैलेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोद्य, मेरी जो ्भा्वना थी, उ्से मैंने व्यक्त कि्या है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : अपनी ्भा्वना में ्बदला्व कीजिए।

श्री ्शैलेन्द्र कुमार : मैं आपके माध्यम ्से ्सरकार ्से मांग क्रूंगा कि कर प्रणाली में जो 12.5 प्रति्शत कर रखा ग्या है, उ्स्से लोगों को मुक्त कि्या जाए त्भी देश का कि्सान खु्शहाल होगा।

इन्हीं ्श्दों के ्साथ मैं अपनी ्बात ्समाप्त करता हूं।

MR.SPEAKER: Shri Varkala Radhakrishnan. This is another exception and is not to be treated as precedent. This is the second matter.